रौल नं०.....नाम परीक्षार्थी.....

XI-1 वार्षिक परीक्षा सन् 2024 ई० A

हिन्दी (केवल प्रश्न–पत्र)

समय – 3 घण्टा 15 मिनट कक्षा – 11 पूर्णांक – 100

निर्देश:– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

1. (क) 'गोरा बादल की कथा' के लेखक हैं :– 1
   (अ) सदासुखलाल (ब) इंशा अल्ला खाँ
   (स) जटमल (द) लल्लूलाल।
   (ख) 'सत्यार्थ प्रकाश' रचना का सम्बन्ध है :– 1
   (अ) 'ब्रह्म समाज' से (ब) 'आर्य समाज' से
   (स) 'प्रार्थना समाज' से (द) 'थियोसॉफिकल सोसायटी' से।
   (ग) अज्ञेय की रचना है:– 1
   (अ) कलम का सिपाही (ब) अपने–अपने अजनबी
   (स) गुनाहों का देवता (द) रंगभूमि।
   (घ) 'इन्दुमती' कहानी के लेखक हैं :– 1
   (अ) किशोरीलाल गोस्वामी (ब) प्रेमचन्द
   (स) रामचन्द्र शुक्ल (द) जयशंकर प्रसाद।
   (ङ) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन–काल है :– 1
   (अ) 1868 ई. (ब) 1900 ई.
   (स) 1880 ई. (द) 1870 ई.।
2. (क) 'जयचन्दप्रकाश' किसकी रचना है :– 1
   (अ) चन्दबरदाई (ब) नरपति नाल्ह
   (स) भट्ट केदार (द) विद्यापति।
   (ख) रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस की रचना लिखी है :– 1
   (अ) घनानन्द (ब) भूषण
   (स) बिहारी (द) सेनापति।
   (ग) 'बीसलदेव रासो' रचना है :– 1
   (अ) नरपति नाल्ह की (ब) भट्ट केदार की
   (स) जगनिक की (द) दलपति विजय की।
   (घ) छायावादयुगीन रचना है :– 1
   (अ) 'प्रिय प्रवास' (ब) 'साकेत'
   (स) 'कामायनी' (द) 'पद्मावत्'।
   (ङ) मैथिलीशरण गुप्त सम्बन्धित हैं :– 1
   (अ) शुक्ल युग से (ब) द्विवेदी युग से
   (स) छायावाद युग से (द) छायावादोत्तर युग से।
3. निम्न गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:– 10

सूर्य और चन्द्रमा, ये दोनों ही आकाश की दो आँखों के समान हैं। उनमें से सहस्रकिरणात्मक–मूर्तिधारी सूर्य ने ऊपर उठकर जब अशेष लोकों का अन्धकार दूर कर दिया, तब वह खूब ही चमक उठा। उधर बेचारा चन्द्रमा किरणहीन हो जाने से बहुत ही धूमिल हो गया। इस तरह आकाश की एक

(पृष्ठ पलटिए)

आँख तो खूब तेजस्क और दूसरी तेजोहीन हो गई। अतएव ऐसा मालूम हुआ, जैसे एक आँख प्रकाशवती और दूसरी अन्धीवाला आकाश काना हो गया हो।

(अ) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) आकाश की दो आँखें कौन-कौन सी हैं?
(द) 'अशेष' शब्द का पर्यायवाची लिखिए।
(य) आकाश काना कैसे हो गया?

अथवा

मैं मानता हूँ, पुस्तकें भी कुछ-कुछ घुमक्कड़ी का रस प्रदान करती हैं ; लेकिन जिस तरह फोटो देखकर आप हिमालय के देवदारु के गहन वनों और श्वेत हिम-मुकुटित शिखरों के सौन्दर्य, उनके रूप, उनकी गन्ध का अनुभव नहीं कर सकते, उसी तरह यात्रा-कथाओं से आपकी उस बूँद से भेंट नहीं हो सकती, जो कि एक घुमक्कड़ को प्राप्त होती है।

(अ) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) प्रस्तुत गद्यांश में राहुलजी ने क्या सिद्ध करने का प्रयास किया है?
(द) यात्रा सम्बन्धी साहित्य के संदर्भ में लेखक ने क्या कहा है?
(य) लेखक ने किस उदाहरण के माध्यम में अपनी बात को स्पष्ट किया है?

4. किसी एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 10

(क) काहे री नलनीं तूँ कुम्हिलानी, तेरे ही नालि सरोवर पानी।
जल मैं उतपति जल मैं वास, जल मैं नलनी तोर निवास॥
ना तलि तपति न ऊपरि आगि, तोर हेतु कहु कासनि लागि।
कहै कबीर जे उदिक समाँन, ते नहीं मूए हमारे जान॥

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) कबीर ने किसके माध्यम से आत्मा की स्थिति पर प्रकाश डाला है?
(द) यहाँ कबीर ने किन दो पक्षों के संदर्भ में अपने भाव व्यक्त किए हैं?
(य) पद में नलिनी किसकी प्रतीक है?

(ख) अब लौं नसानी अब न नसैहौं।
राम कृपा भवनिसा सिरानी जागे फिर न डसैहौं।
पायो नाम चारू चिन्तामनि, उर-कर तें न खसैहौं॥
स्याम रूप सुचि रूचिर कसौटी चित कंचनहिं कसैहौं।
परबस जानि हँस्यों इन इन्द्रिन; निज बस ह्वै न हँसैहौं।
मन-मधुकर पन करि तुलसी रघुपति पद-कमल बसैहौं॥

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) तुलसीदास के जीवन में रघुनाथ जी की कृपा से अब क्या-क्या समाप्त हो गया है?
(द) कवि किस पर अपने ननरूपी स्वर्ण को घिसकर देखना चाहते हैं?
(य) अब तुलसीदास जी को कौन-सी चिन्तामणि प्राप्त हो गई?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5
   (अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
   (ब) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
   (स) डॉ. श्यामसुन्दरदास

   (ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5
   (अ) कबीरदास (ब) गोस्वामी तुलसीदास
   (स) कविवर बिहारी।

6. 'बलिदान' अथवा 'समय' कहानी की कथा अपने शब्दों में लिखिए। 5

7. स्वपठित नाटक के किसी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

खण्ड 'ख'

8. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 7

   (क) पुरा वत्सनामकमेकं समृद्धं राज्यमासीत्। अस्य राजधानी कौशाम्बी इतः नातिदूरेऽवर्तते। अस्य राज्यस्य शासकः महाराजः उदयनः वीरः अप्रतिमसुन्दरः ललितकलाभिज्ञश्चासीत्। यमुनातटे आधुनिक-'सुजावन'-ग्रामे तस्य सुयामुनप्रासादस्य ध्वंसावशेषाः तस्य सौन्दर्यानुरागं ख्यापयन्ति।

   अथवा

   आङ्ग्लशासकानां भारते नाधिकारः, ते विदेशीयाः कथनत्र शासनं कुर्वन्ति इति चिन्तापरोऽयं स्वप्रयत्नेन भारतवर्षस्य स्वातत्रयार्थं बहून्। भारतीयान् स्वपक्षे अकरोत्। एवं विधेभ्यः अस्योग्रविचारेभ्यः भीताः आङ्ग्लशासकाः इमं पुनः पुनः कारागारे अक्षिपन् परं वीरोऽयं स्वातंत्रयार्थं स्वप्रयासं नात्यजत्।

   (ख) निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :- 7

   सह नाववतु, सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यं करवावहै
   तेजस्वि नावधीतमस्तु, मा विद्विषावहै॥

   अथवा

   दरिद्रान् भर कौन्तेय मा पयच्छेश्वरे धनम्।
   व्याधितस्यौषधं पथ्यं नीरुजस्य किमौषधैः॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:- 4
   (क) कस्य राज्यस्य शासकः उदयनः आसीत्?
   (ख) भारतवर्ष शत्रुभ्यः कः रक्षति?
   (ग) सुभाषचन्द्रः कस्यां नगर्यां शिक्षां प्राप्तवान्?
   (घ) वाल्मीकिः कः आसीत्?

10. (क) करूण रस अथवा बीभत्स रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2
    (ख) यमक अलंकार अथवा सन्देह अलंकार की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2
    (ग) दोहा अथवा रोला छन्द की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए तथा प्रारम्भ में संक्षिप्त रूपरेखा भी लिखिए:- 9
    (क) साहित्य समाज का दर्पण है।
    (ख) विज्ञान : वरदान या अभिशाप
    (ग) भारत में भ्रष्टाचार।

(पृष्ठ पलटिए)

12. (क) (अ) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद होगा :- 1

(i) ने + यनम् (ii) ने + अनम्
(iii) नै + अनम् (iv) नय + अनम्।

(ब) 'पवनः' का सन्धि-विच्छेद होगा :- 1

(i) प + वनः (ii) पो + अनः
(iii) पव + नः (iv) पौ + अनः।

(स) 'मोऽनुस्वारः सन्धि है :- 1

(i) गुणवान् + लुण्ठितः (ii) हरिम् + वन्दे
(iii) गुम् + फित् (iv) सत् + चित्।

(ख) (अ) निम्न में से किसी एक शब्द का समास विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए :- 1

उपतट्म, आजन्म, महावीरः, विद्याधनम्।

(ब) 'मीनाक्षीः' का समास-विग्रह होगा :-

(i) मीनस्य अक्षीः (ii) मीनस्य क्षयीः
(iii) मीन द्व अक्षिणी यस्या सा
(iv) मीनम् अक्षीः।

13. (क) (अ) 'आत्मनि' शब्द रूप है 'आत्मन्' शब्द के :- 1

(i) षष्ठी बहुवचन (ii) सप्तमी एकवचन
(iii) पञ्चमी द्विवचन (iv) चतुर्थी एकवचन।

(ब) 'राज्ञा' शब्द रूप है, 'राजन्' शब्द के :- 1

(i) चतुर्थी एकवचन (ii) तृतीया एकवचन
(iii) पञ्चमी, एकवचन (iv) द्वितीया, द्विवचन।

(ख) (अ) 'तिष्ठेयम्' रूप है 'स्था' धातु का :- 1

(i) लोट्, उत्तम, बहुवचन (ii) विधिलिङ्, उत्तम, एकवचन
(iii) लृट्, मध्यम, बहुवचन (iv) लङ्, प्रथम, द्विवन।

(ब) 'नी' धातु लट्लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन का रूप होगा :- 1

(i) नयसि (ii) नयति
(iii) नयन्ति (iv) नयामि।

(ग) (अ) 'गृहीत्वा' में प्रत्यय है :- 1

(i) क्त प्रत्यय (ii) क्त्वा प्रत्यय
(iii) त्व प्रत्यय (iv) तव्यत् प्रत्यय।

(ब) 'ज्ञान + वतुप्' से निर्मित शब्द है :- 1

(i) ज्ञातवान् (ii) ज्ञातवान्
(iii) जानवान् (iv) ज्ञानवान्।

(घ) (अ) 'पृष्ठेन कुब्जः।' किस सूत्र से रेखांकित में तृतीया विभक्ति आई है:- 1

(i) अभितः पारितः समया (ii) सहयुक्तेऽप्रधाने
(iii) येनाङ्गविकारः (iv) नमः स्वस्तिस्वाहा।

(ब) 'काव्येषु नाटकं रम्यम्!' सप्तमी प्रयोग का कारण है :- 1

(i) येनाङ्गविकारः (ii) सहयुक्तेऽप्रधाने
(iii) यतश्चनिर्धारणम् (iv) षष्ठी शेषे।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :- 4

(क) सत्य से धर्म की रक्षा होती।
(ख) सदा सत्य बोलना चाहिए।
(ग) छात्र विद्यालय से घर गए।
(घ) वह मेरा घर है।